प्रशिक्षण दर्पण

त्रैमासिक पत्रिका

क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण संस्थान, मध्य रेल, भुसावल - 425 203

अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता आय.एस.ओ. 9001:2000 प्रमाणित प्रथम क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण संस्थान

फोन - 02582-222678/224600
रेलवे - 54900/54918/54920
ई मेल - ztc@bsl.railnet.gov.in , zrtibsl@gmail.com

फैक्स - 02582- 222678
रेलवे - 54907/54918
रेलवे वेबसाइट - \\10.154.26.100

वर्ष - तृतीय **अंक - द्वादश** **अप्रैल 09 से जून 09**

इस अंक में . . . . .

- संस्थान का पुस्तकालय
- रेलटेल एक संक्षिप्त परिचय
- अतिथियों का आगमन एवं व्याख्यान
- सांस्कृतिक कार्यक्रम
- संपादकीय

क्षे.रे.प्र.संस्थान का पुस्तकालय -ज्ञान का विशद भंडार

- अरूण प्रताप श्रीराम
स. मं. वि. इंजी. (अनु)

प्रस्तावना- क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण संस्थान, भुसावल के पुस्तकालय का आविर्भाव इस संस्थान के साथ ही वर्ष 1962 में हुआ था। अपने प्रारंभ से लेकर आद्य पर्यंत यह संस्थान में कार्यरत अधिकारियों, प्रशिक्षकों, कर्मचारियों के साथ-साथ प्रशिक्षार्थियों की ज्ञान पिपासा को तृप्त करते हुए निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर है। इस पुस्तकालय के सान्निध्य और संरक्षण में रहकर ही इसका सखा हिन्दी पुस्तकालय राजभाषा के प्रचार प्रसार, ज्ञान दान, राष्ट्रीय एकता और समन्वय के प्रसार में सहभागी हो रहा है ।

पुस्तकालय में मँगाई जाने वाली आंचलिक भाषा मराठी, राजभाषा हिंदी और आंग्ल भाषा की प्रमुख पत्र पत्रिकाएं जहाँ संबंधितों के ज्ञान में अभिवृद्धि करने में सहायक हैं वहीं आधुनिकतम साधनों जैसे कम्प्यूटर और इंटरनेट द्वारा अद्यतन जानकारी उपलब्ध कराने का सार्थक प्रयास भी किया जा रहा है। प्रतिवर्ष प्रत्येक संकाय के लिए आवश्यक नवीनतम पुस्तकों तथा वाचनालय की पत्र पत्रिकाओं का क्रय श्रद्धेय प्राचार्यजी द्वारा गठित संस्थान समिति द्वारा किया जाता है ।

पुस्तकालय का संक्षिप्त विवरण	सामान्य पुस्तकालय	हिंदी पुस्तकालय
गोल मेज (40 कुर्सियों के साथ) समाचार पत्र एवं पत्रिकाएं पढ़ने के लिए	01 (सामान्य एवं हिंदी पुस्तकालय एक ही छत के नीचे अवस्थित हैं)	
छोटी वुडन अलमारी (शोकेस टाइप)	08	03
बड़ी वुडन अलमारी (शोकेस टाइप)	09	03
स्टील अलमारी (शोकेस टाइप)	13	07
मराठी भाषा के समाचार पत्र	03	--
हिंदी भाषा के समाचार पत्र	02	01
अंग्रेजी भाषा के समाचार पत्र	04	--
मराठी भाषा की पत्रिकाएं	01	--
हिंदी भाषा की पत्रिकाएं	08	04
अंग्रेजी भाषा की पत्रिकाएं	09	---
कुल पुस्तकें दिनांक 31.03.09	6050	5187

अतिथियों का आगमन

- दिनांक 18/04/09 को श्री जी. आर. गलगली उप मुख्य कार्मिक अधि.(राजपत्रित) का संस्थान में आगमन हुआ तथा उन्होंने संस्थान के सभी विभागों का निरीक्षण किया।
- दिनांक 25/04/09 को श्री अशोक कुमार जी, राष्ट्रीय महामंत्री, ऑल इण्डिया एस.सी./ एस.टी. रेल्वे एम्प्लॉईज एसोसिएशन केंद्रीय कार्यकारिणी नई दिल्ली का संस्थान में आगमन हुआ उहोंने सभी उपस्थितों को भारतरत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जी के जीवनवृत्त से परिचित कराया ।

श्री. पी. के .रानडे (मु.परि.यो.प्र.) डीजल सिमुलेटर कक्ष में निरीक्षण करते हुए

- दिनांक 18/06/09 को श्री पी. के. रानडे, मुख्य यातायात योजना प्रबंधक मध्य रेल का संस्थान में आगमन हुआ तथा उहोंने संस्थान के सभी विभागों का निरीक्षण किया।
- दिनांक 30.6.09 को डॉ. गौरव मनोचिकित्सक एवं डा. पिंप्रीकर चिकित्सा अधिक्षक ने सभाभवन में सभी प्रशिक्षार्थियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को तनाव मुक्त रहने एवं तनाव को कम करने विषय पर प्रभावी व्याख्यान दिया जिससे सभी रेल कर्मचारी लाभान्वित हुए।

अन्य गतिविधियाँ

रेल सप्ताह - दिनांक 10/04/09 से 15/04/09 तक रेल सप्ताह मनाया गया जिसमें यातायात एवं ए.सी. संकाय द्वारा कई ज्ञान वर्धक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए जिससे सभी प्रशिक्षार्थी लाभान्वित हुए। रेल सप्ताह के उपलक्ष में संस्थान में पूरे वर्ष सराहनीय कार्य करने के लिए प्रशिक्षकों एवं कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया।

अंबेडकर जयंती - भारतरत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की 118 वीं जयंती के शुभ अवसर पर प्राचार्य जी, उप प्राचार्य जी तथा सभी संकाय

अंबेडकर जयंती के अवसर पर अपने विचार प्रस्तुत करते हुए प्राचार्यजी

अधिकारियों ने डॉ. बाबा साहब अंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन किया। स.मं.वि. इंजी श्री अरूण प्रताप जी ने डॉ. अम्बेडकर के जीवन और मिशन पर अपना संक्षिप्त और ओजस्वी विचार प्रस्तुत किया । अंतत: जयंती समारोह के अध्यक्ष माननीय प्राचार्य जी ने सभी को बाबा साहब के जीवन वृतांत से अवगत करवा कर प्रेरणा लेने की शिक्षा दी ।

"नशा करता बुरी दशा" पर श्रीकांत एवं साथी प्रशिक्षार्थियों की प्रस्तुती का एक दृश्य

सांस्कृतिक कार्यक्रम - दिनांक 29.04.09 को सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें प्रशिक्षार्थी, तथा कर्मचारियों ने रंगारंग गीत, गजल, भजन प्रस्तुत किए। प्राचार्य महोदय द्वारा सभी कलाकारों को 1100/- रूपये के नकद सामुहिक पुरस्कार द्वारा प्रोत्साहित किया गया। इसी कड़ी में दिनांक 27.5.09 एवं 26.06.09 को भी सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें प्रशिक्षार्थी, तथा कर्मचारियों ने रंगारंग गीत प्रस्तुत किए। इन सभी सांस्कृतिक कार्यक्रमों का सफल मंच संचालन सांस्कृतिक सचिव श्री ए. जी. गाडगिल ने किया ।

विशेष उल्लेखीय

मुख्यालय द्वारा वर्ष् 2008-09 में संस्थान द्वारा राजभाषा हिंदी में किए गए प्रशंसनीय कार्य के लिए

महाप्रबंधक ट्राफी महाप्रबंधक श्री बी. बी. मोदगिल जी के करकमलों द्वारा माननीय प्राचार्य जी को प्रदान की गई।

रेलटेल एक संक्षिप्त परिचय

अरूण प्रताप श्रीराम (स.मं.वि.इंजी)

रेलटेल कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड का गठन 26 सितंबर 2000 को भारतीय रेल की दूर संचार आवश्यकताओं की पूर्ति करने तथा अतिरिक्त बैंडविड्थ क्षमता को संचार सेवा प्रदाताओं को वाणिज्यक उपयोग हेतु उपलब्ध कराके रेलवे के लिए राजस्व कमाने के उद्देश्य से किया गया था ।

रेलटेल से न केवल रेलवे की वॉयस एवं डाटा कम्यूनिकेशन प्रणाली में गुणात्मक सुधार हुआ है बल्कि ट्रेन कंट्रोल, ट्रेन परिचालन और संरक्षा प्रणाली में भी महत्वपूर्ण सुधार हुआ है। रेलटेल राष्ट्र भर में फैले ब्रॉडबैंड दूर संचार नेटवर्क के सृजन एवं राष्ट्रीय दूर संचार नीति 1999 के लक्ष्यों को प्राप्त करने में प्रयासरत है।

प्रमुख कार्य - रेलटेल निम्नांकित व्यवसाय क्षेत्रों में काम कर रहा है -

1. सेवा प्रबंधकों / प्रदाताओं को आई पी-II लाइसेंस के अधीन बैंडविड्थ की लीजिंग।
2. ओ एफ सी नेटवर्क की स्थापना और इन्हें संचालित करना। अब तक रेलटेल द्वारा लगभग 30,000 रूट किमी पर एसटीएम -16 नेटवर्क बनाकर एक राष्ट्रव्यापी ब्रॉडबैंड संचार तथा मल्टीमीडिया नेटवर्क बनाया गया है । भविष्य में डी डब्ल्यू डी एम का प्रयोग कर वर्ष 2010 तक 43000 रू ट कि. मी. तक अपना नेटवर्क बढ़ाने की योजना है। आई पी एस वी पी एन तथा एन एल डी लाइसेंस के अधीन टीडीएम लोड लाइनें, डाटा, आई पी सेवाएं तथा वीपीएन सेवाएं प्रदान करना ।
3. डार्क फाइबर, को-लोकेशन, टावर स्पेस आदि की आई पी - I लाइसेंस के अधीन लीजिंग ।

रेलटेल ने एस डी एच प्रौद्योगिकी के प्रयोग से नेटवर्क को इस तरह से डिजाइन किया है कि किन्हीं दो स्थलों के बीच बैंडविड्थ के लिए पूर्ण प्रचुरता उपलब्ध रहे। यह उच्च बैंडविड्थ आई पी, एटीएम, फ्रेम रिले, गिगाविट इंटरनेट तथा अन्य प्रकार के डाटा सेवाओं का स्थानांतरण करने में पूर्णत: समर्थ है।

रेलटेल के पीओपी हर 8-10 कि.मी. की दूरी पर स्थित रूट के सभी स्टेशनों पर है। रूट के सभी स्टेशनों पर STM-I/STM-4 का एक्सेस लेयर नेटवर्क स्थापित किया गया है।

STM-16/4 के एज लेयर नेटवर्क को 40-60 कि.मी. के अंतर पर रखा गया है ताकि यह एक्सेस लेयर से ट्रैफिक एकत्र कर देश के प्रमुख शहरों को जोड़े।

रेल टेल की नेटवर्क योजना -

1. **एमपीएलएस-आईपी नेटवर्क /MPLS-IP NETWORK** - इस नेटवर्क के लिए रेलटेल ने SDH/DWDM आधारित संचार प्रणाली तथा उच्च छोर रूटरों का प्रयोग कर उच्च प्रौद्योगिकी के मल्टी मीडिया संचार नेटवर्क का सृजन किया है। 2011 तक एमपीएलएस-आईपी नेटवर्क /MPLS-IP NETWORK 44000 रूट कि.मी. तक फैलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।
2. **एनजीएन नेटवर्क /NGN- NETWORK** - रेलटेल एक एनजीएन नेटवर्क का निर्माण भी कर रहा है जिसका प्रयोग विभिन्न मोबाईल एवं मूल आपरेटरों की इंटर सर्किल वॉइस कॉल के पारगमन के लिए किया जाएगा । रेलटेल ने अखिल भारतीय स्तर पर विभिन्न दूरसंचार आपरेटरों को जोड़ने की प्रक्रिया पहले से ही प्रारंभ कर दी है ।
3. **बेक बोन** - रेलटेल एक पारदर्शी, मजबूत, उच्च गति ओएफसी बेकबोन नेटवर्क फैला रहा है, बेकबोन नेटवर्क को अत्याधिक संख्या की रिंगों तथा रेखीय सेक्शनों से युक्त बहुविधि **सेल्फ हीलिंग** रिंगों से बनाया गया है जो दोषमुक्त सेवा के लिए विफल / निम्नीकृत रूट से दूर रखकर यातायात को स्वत: पुन: निर्देशित करके अतिरिक्त रूट उपलब्ध कराते हैं ।
4. **इंटरनेट बेकबोन** - रेलटेल अपने अत्याधुकि प्रौद्योगिकी वाले एमपीएलएस बेकबोन पर राष्ट्रव्यापी सेवाएं उपलब्ध करा रहा है । वर्तमान में रेलटेल स्रोतों के एसटीएम - I स्तर इंटरनेट वैंडविड्थ को नई दिल्ली, मुंबई तथा चेन्नई में तीन विभिन्न सेवा प्रदायक उपयोग कर रहे हैं ।

राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क सेवा प्रदाता के रूप में -

राष्ट्रीय ज्ञान आयोग की सिफारिशों के आधार पर राष्ट्रीय महत्व की 1000 से अधिक संस्थाओं को आपस में राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क द्वारा जोड़कर इन संस्थाओं में उपलब्ध ज्ञान को देश में एक समान रूप से समाज के हर तबके तक पहुँचाना है। रेलटेल कर्मियों के लिए यह गर्व का विषय है कि सेवा प्रदाता के रूप में उहें चुना जाना रेलटेल को इससे न केवल देश की बहुसंख्यक जनता की सेवा का अवसर प्राप्त हुआ है बल्कि इससे कंपनी की आय में भी वृद्धि हुई है । इस प्रकार रेलटेल सरकार के इन सामूहिक कार्यों में सक्रिय रूप से जुड़कर राष्ट्रीय दूरसंचार नीति 1999 के उद्देश्यों को पूरा कर रहा है ।

श्री. पी. के. रानाडे (मु. परि. यो. प्र.) कमप्यूटर कक्ष में प्राचार्यजी एवं संकाय अधिकारीयों से वार्तालाप करते हुए

अतिथि व्याख्यान

क्र.	नाम	पदनाम	दिनांक	विषय
1.	श्री पी.सी.पुंडे	स.का.अ.	18.4.09	डी.ए.आर.
2.	श्री ए.एस.बोकड़े	स.प.प्र.(नि)	01.5.09	उच्च परिवहन
3.	श्री आर.सी.देशपांडे	स.मं.वि.प्रब	11.5.09	रेल लेखा
4.	श्री टी.जी.जाधव	स.प.प्र.	03.6.09	रेक लिंक
5.	श्री ई.जी.सदावर्ते	क्षे.प्र.	03.6.09	यार्ड संकुचन
6.	श्री यू.सी.बोडके	स.का.अ.	04.6.09	एच.ओ.ई.आर.
7.	श्री एस.के.शर्मा	स.का.अ.	05.6.09	संस्थापन
8.	श्री एस.सी. जैन	स.म.सं.अ.	05.6.09	संरक्षा

स्वागत / बधाई / विदाई

1. श्री पी. बी. राव मुख्य यातायात प्रशिक्षक, श्री बृजेश कुमार कश्यप यातायात प्रशिक्षक को मुख्य परिचालन प्रबंधक पुरस्कार मिलने पर हार्दिक बधाई ।
2. श्री ए. जी. गाडगिल एवं श्री एन. आर. राठौड़ वरि. वाणिज्य प्रशिक्षक को मुख्य वाणिज्य प्रबंधक पुरस्कार मिलने पर हार्दिक बधाई ।
3. श्री आर. आर. अय्यर मुख्य संस्थापन प्रशिक्षक एवं श्री एस. एन. कुलकर्णी, कार्यालय अधीक्षक को मुख्य कार्मिक अधिकारी पुरस्कार मिलने पर हार्दिक बधाई।
4. श्री संजय कुमार राय वरि. यातायात प्रशिक्षक एवं श्री संजय कुमार झा यातायात प्रशिक्षक के संस्थान में आगमन पर हार्दिक स्वागत ।
5. श्रीमती शामपति परदेशी वरि. संस्थापन प्रशिक्षक के पद पर चयन होने पर बधाई ।

परीक्षा

सुन्दरता का पता प्रकाश से चलता है, धर्म की परीक्षा आचरण से होती है, सज्जनता की परीक्षा व्यवहार से होती है। धैर्य, कर्त्तव्य पालन, मित्र और जीवन-साथी की परीक्षा संकट के समय होती है, वीरता की परीक्षा शत्रु का सामना होने पर होती है, कठिनाई सामने आने पर बुद्धि की परीक्षा होती है और लोभ-लालच की स्थिति सामने आने पर विवेक की परीक्षा होती है ।

संपादकीय

संपादक की कलम से . . .

क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण संस्थान की त्रैमासिक पत्रिका के बारहवें अंक का संपादकीय लिखते हुए मुझे अपार हर्ष हो रहा है । प्रशिक्षण से संबंधित जानकारी, नवीनतम गतिविधियों के साथ साथ अन्य गतिविधियों का प्रसार भारतीय रेल पर करने के उद्धेश्य से प्रशिक्षण दर्पण का प्रकाशन एक सराहनीय कदम है। मैं आशा करता हूँ कि यह पत्रिका कई चुनौतियों के बावजूद प्रशिक्षार्थियों एवं क्षेत्रीय रेलों के बीच समन्वय स्थापित करने के साथ साथ उनके मार्गदर्शन एंवं ज्ञान को अद्यतन रखने में सार्थक सिद्ध होगी ।

इस अंक में संस्थान के महत्वपूर्ण वाचनालय से संबंधित जानकारियाँ दी जा रही है जो आप सभी के लिए लाभप्रद रहेगी । संस्थान के कर्मचारियों द्वारा हिन्दी के सार्थक एवं अधिकाधिक प्रगामी प्रयोग हेतू 2008-09 के लिए महाप्रबंधक महोदय द्वारा राजभाषा ट्राफी प्रदान की गई, इस हेतु मैं सभी को बधाई देते हुए इस पत्रिका के सफल प्रकाशन की कामना करता हूँ । इस पत्रिका को लाभप्रद बनाने हेतु प्रबुद्ध पाठकों के सुझाव सहर्ष आमंत्रित हैं ।

शुभकामनाओं सहित ।

आर.डी. सिंदीकर
प्राचार्य

संपादक मंडल

संरक्षक : श्री श्रीप्रकाश (मुख्य परिचालन प्रबंधक)
मार्गदर्शन : श्री पी. के. रानडे (मुख्य परिवहन योजना प्रबंधक)
मुख्य संपादक : श्री आर. डी. सिन्दीकर (प्राचार्य)
उप संपादक : श्री आर. एल. जाटव (उप प्राचार्य)
सह संपादक : श्री अरूण प्रताप श्रीराम (सहा. मंडल विद्युत इंजी.)
श्री मंगलिया मीना (सहा. वित्तिय सलाहकार)
संकलन : श्री विजय काशीनाथ मोरे (प्रवर यातायात प्रशिक्षक)
श्री आर. एल. प्यासे (प्रशिक्षक ए.सी. लोको)
श्री आर. एस. माथुर (राजभाषा अधीक्षक)
ग्राफिक्स/सज्जा : श्री शशिकांत के. माली (वरि. सिमुलेटर प्रशिक्षक)
छायांकन : श्री अतुल एम. दांडवेकर (प्रवर यातायात प्रशिक्षक)
सहयोग : श्री ए. के. सिंह (यातायात प्रशिक्षु, मुंबई मंडल)